राष्ट्रीय जलमार्ग 2 (ब्रह्मपुत्र) का राष्ट्रीय जलमार्ग 1 (गंगा) से जुड़ाव

प्रिलिम्स के लिये:

अंतर्देशीय जलमार्ग, भारत-बांग्लादेश (सोनमुरा-दाउदकंडी), भारत-म्याँमार प्रोटोकॉल (कलादान)।

मेन्स के लिये:

अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क के लाभ और चुनौतियाँ, अंतर्देशीय जलमार्ग हेतु शुरू की गई पहल।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री ने गुवाहाटी (असम) में बांग्लादेश के रास्ते पटना से पांडु बंदरगाह तक खाद्यान्न की पहली खेप के परिवहन का स्वागत किया।

- असम और पूर्वोत्तर भारत के लिये अंतर्देशीय जल परिवहन के एक नए युग की शुरुआत करते हुए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI), एनडब्ल्यू-1 और एनडब्ल्यू-2 के बीच एक निर्धारित अनुसूचित नौकायन की योजना बना रहा है।
- अंतर्देशीय पोत विधेयक, 2021 को अंतर्देशीय जहाज़ों की सुरक्षा और पंजीकरण को विनियमित करने के लिये भी अनुमोदित किया गया था।

महत्व:

- **इंडो बांग्लादेश प्रोटोकॉल रूट (आईबीआरपी)** में जहाज़ों के माध्यम से कार्गो की आवाजाही की शुरुआत पूर्वोत्तर के पूरे क्षेत्र के लिये आर्थिक समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास और वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- यह व्यापार समुदाय को एक व्यवहार्य, आर्थिक और पारिस्थितिक विकल्प भी प्रदान करेगा तथा भारत के पूर्वोत्तर के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- बांग्लादेश के माध्यम से ऐतिहासिक व्यापार मार्गों को फिर से जीवंत करने के निरंतर प्रयास को प्रधानमंत्री गति शक्ति के तहत प्रोत्साहन मिला।
    - यह कल्पना की गई है कि पूर्वोत्तर धीरे-धीरे एक कनेक्टिविटी हब के रूप में परिवर्तित हो जाएगा।
    - पीएम गति शक्ति के तहत एकीकृत विकास योजना की परिकल्पना की गई है ताकि ब्रह्मपुत्र के पर कार्गो की तेज़ी से आवाजाही हो सके।

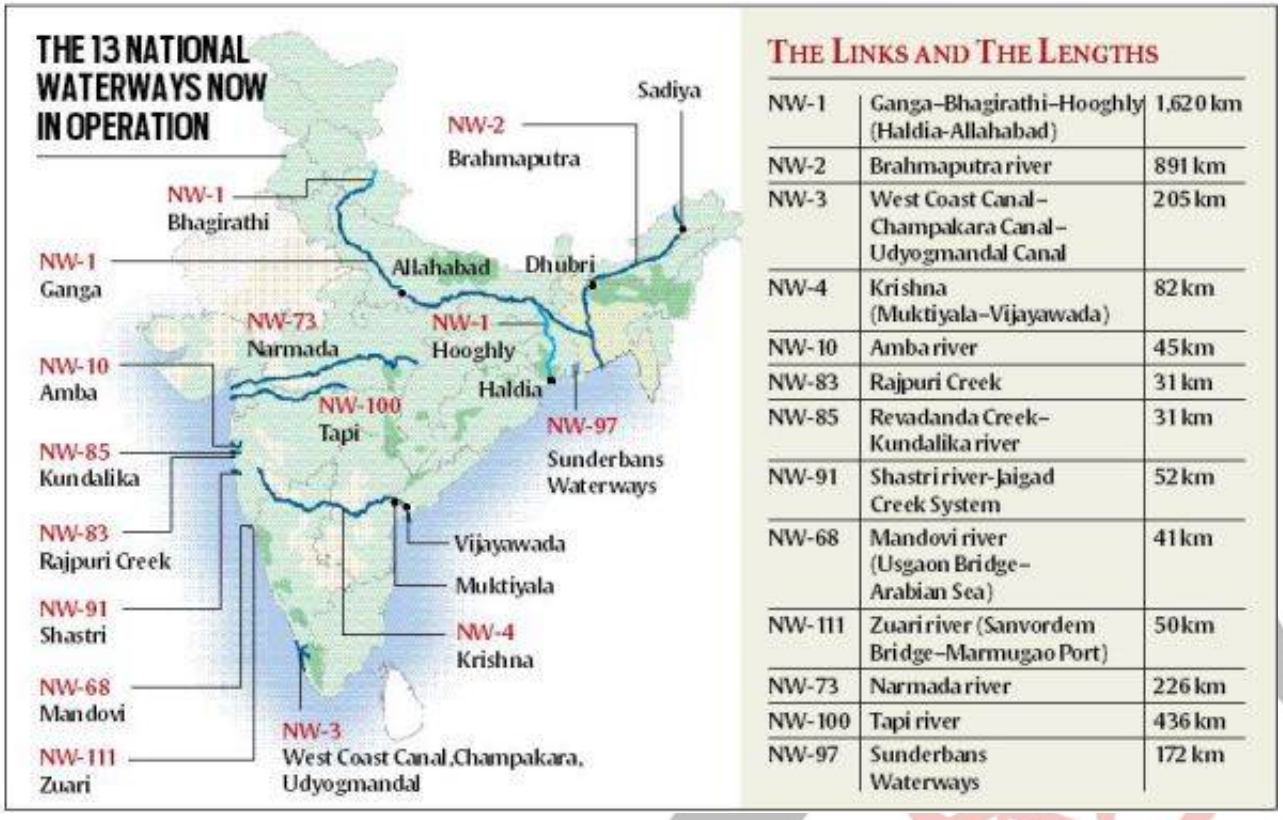

THE LINKS AND THE LENGTHS

NW-1	Ganga–Bhagirathi–Hooghly (Haldia-Allahabad)	1,620 km
NW-2	Brahmaputra river	891 km
NW-3	West Coast Canal–Champakara Canal–Udyogmandal Canal	205 km
NW-4	Krishna (Muktiyala–Vijayawada)	82 km
NW-10	Amba river	45 km
NW-83	Rajpuri Creek	31 km
NW-85	Revadanda Creek–Kundalika river	31 km
NW-91	Shastri river-Jaigad Creek System	52 km
NW-68	Mandovi river (Usgaon Bridge–Arabian Sea)	41 km
NW-111	Zuari river (Sanvordem Bridge–Marmugao Port)	50 km
NW-73	Narmada river	226 km
NW-100	Tapi river	436 km
NW-97	Sunderbans Waterways	172 km

अंतर्देशीय जलमार्ग:

- **परिचय:**
  - भारत में लगभग 14,500 किलोमीटर नौगम्य जलमार्ग है जिसमें नदियाँ, नहरें, बैकवाटर, खाड़ियाँ आदि शामिल हैं।
  - राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम 2016 के अनुसार, 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग (NWs) घोषित किया गया है।
    - NW-1: गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली (प्रयागराज-हल्दिया) 1620 किमी. लंबाई के साथ भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग है।
    - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता से गंगा के हल्दिया-वाराणसी खंड (NW-1 का हिस्सा) पर नेविगेशन की क्षमता बढ़ाने के लिये जल मार्ग विकास परियोजना (JMVP) को लागू कर रहा है।
- **इस संबंध में उठाए गए कदम:**
  - जलमार्गों को पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCs) के साथ-साथ सागरमाला परियोजना से भी जोड़ा जाएगा, जिसका उद्देश्य बंदरगाह के नेतृत्व वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष विकास को बढ़ावा देना है।
  - इसके अलावा बांग्लादेश और म्याँमार जलक्षेत्र के माध्यम से माल के परिवहन को सुविधाजनक बनाने वाले भारत-बांग्लादेश (सोनमुरा-दाउदकांडी) और भारत-म्याँमार प्रोटोकॉल (कलादान) के प्रावधान जो कि कई मामलों में भारत के अंतर्देशीय जलमार्गों को निरंतरता प्रदान करते हैं, भारत के उत्तर-पूर्वी भागों में त्वरित शिपमेंट तथा बाज़ार में गहरी पैठ को सक्षम बनाते हैं।

भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग की उपयोगिता:

- अंतर्देशीय जल परिवहन (Inland Water Transport- IWT) द्वारा वार्षिक रूप से लगभग 55 मिलियन टन कार्गो का परिवहन किया जा रहा है जो एक ईंधन-कुशल और पर्यावरण अनुकूल साधन है।
  - हालाँकि विकसित देशों की तुलना में भारत में माल ढुलाई के लिये जलमार्ग का अत्यधिक उपयोग किया जाता है।
- इसका संचालन वर्तमान में गंगा-भागीरथी-हुगली नदियों, ब्रह्मपुत्र, बराक नदी (पूर्वोत्तर भारत), गोवा में नदियों, केरल में बैकवाटर, मुंबई में अंतर्देशीय जल और गोदावरी- कृष्णा नदी के डेल्टा क्षेत्रों में कुछ हिस्सों तक सीमित है।
- मशीनीकृत जहाज़ों द्वारा इन संगठित संचालनों के अलावा अलग-अलग क्षमता की देशी नावें भी विभिन्न नदियों एवं नहरों में संचालित होती हैं और इस असंगठित क्षेत्र में भी पर्याप्त मात्रा में कार्गो और यात्रियों को ले जाया जाता है।
- IWT में भारत में अत्यधिक व्यस्त रेलवे और भीड़भाड़ वाले रोडवेज का पूरक बनने की क्षमता है। कार्गो की आवाजाही के अलावा IWT क्षेत्र वाहनों की ढुलाई [फेरी के रोल-ऑन-रोल-ऑफ (रो-रो) मोड] और पर्यटन जैसी संबंधित गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है।

अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क के लाभ:

- **परविहन का सस्ता तरीका:**
    - जलमार्ग उपलब्ध वकिल्पों की तुलना में परविहन का एक सस्ता साधन है, जो माल परविहन की बदि्-दर-बदि् लागत को काफी कम करता है।
    - यह समय, माल और कार्गो के परविहन की लागत के साथ-साथ राजमार्गों पर भीड़भाड़ और दुर्घटनाओं को भी कम करता है।
    - नेटवर्क को हरति क्षेत्र नविेश की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सुधार/उन्नयन के लयि केवल पूंजीगत व्यय (पूंजीगत व्यय) की आवश्यकता है।
- **नरि्बाध इंटरकनेक्टविटिी:**
    - अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क द्वारा "नौवहन योग्य नदी तटों और तटीय मार्गों के साथ भीतरी इलाकों को जोड़ने वाली नरि्बाध अंतर्संबंध स्थापति करने में मदद" की उम्मीद की जाती है और ये अंतर्देशीय जलमार्ग "उत्तर-पूर्वी राज्यों को मुख्य भूमि से जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाने में मददगार साबति हो सकते हैं।"

क्रयिान्वयन संबंधी चुनौतयिाँ:

- **संपूर्ण वर्ष के दौरान एकसमान नौगम्यता का अभाव:**
    - कुछ नदयिाँ मौसमी होती हैं और पूरे वर्ष नौवहन क्षमता प्रदान नहीं करती हैं। 111 चहि्नति राष्ट्रीय जलमार्गों में से लगभग 20 कथति तौर पर अव्यवहार्य पाए गए हैं।
- **गहन पूंजी और रखरखाव की आवश्यकता:**
    - सभी चहि्नति जलमार्गों के लयि गहन पूंजी एवं रखरखाव की आवश्यकता होती है, जसिका स्थानीय समुदाय द्वारा पर्यावरणीय आधार पर वरिोध कयिा जा सकता है, जसिमें वस्थिापन की आशंका भी शामलि है, जसिके चलते कार्यान्वयन की चुनौतयिाँ सामने आती हैं।
- **पानी के अन्य उपयोग:**
    - पानी के महत्त्वपूर्ण प्रतस्पिर्द्धी उपयोग भी हैं, जैसे- सचिाई और बजिली उत्पादन आदि जैसी आवश्यकताएँ शामलि हैं। स्थानीय सरकार या अन्य लोगों के लयि इन ज़रूरतों की अनदेखी करना संभव नहीं होगा।
- **केंद्र सरकार का वशिष क्षेत्राधकिार:**
    - संसद के एक अधनियिम द्वारा केंद्र सरकार का अनन्य अधकिार क्षेत्र केवल 'राष्ट्रीय जलमार्ग' घोषति कयि गए अंतर्देशीय जलमार्गों पर शपिगि एवं नेवगिशन तक सीमति है।
    - अन्य जलमार्गों में जहाज़ों का उपयोग/नौकायन समवर्ती सूची के दायरे में है या संबंधति राज्य सरकारों के अधकिार क्षेत्र में है।

आगे की राह

- प्रतस्पिर्द्धी आवश्यकताओं के साथ पानी एक दुर्लभ संसाधन होने के कारण, परविहन के लयि इसके उपयोग को उचति ठहराना मुश्कलि हो सकता है। हालाँकि, वभिन्नि लाभों को ध्यान में रखते हुए और व्यावसायकि व्यवहार्यता, रोज़गार व आर्थकि वकिास के कई अवसरों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय जलमार्ग का प्रभावी ढंग से उपयोग कयिा जा सकता है।
- एक प्रभावी जलमार्ग नेटवर्क के लयि राष्ट्रीय नेटवर्क और अन्य जलमार्गों के बीच पूरकता को ध्यान में रखते हुए एक बेहतर रूप से समन्वति रणनीति तैयार करने की आवश्यकता होगी।
    - इस रणनीति के लयि वभिन्नि अंतर्धाराओं पर बारीकी से ध्यान देना होगा, जसिमें प्रतस्पिर्द्धी उपयोग और संभावति स्थानीय प्रतरिोध आदि शामलि हैं, साथ ही यह भी महत्त्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय परयिोजना के त्वरति व सफल कार्यान्वयन हेतु स्थानीय सरकारों के साथ मलिकर काम कयिा जाए।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/brahmaputra-nw2-gets-connected-with-ganga-nw1